BECC-132

कला स्नातक कार्यक्रम
(BAG/BAM)

सत्रीय कार्य 2026-27

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–132
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीईसीसी-132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः (i) सत्रीय कार्य द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। अतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30% अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70% अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 सत्रीय कार्य करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.-132: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-II** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलत है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और मूल्यांकन में भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आप व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

i) **जून 2027 में सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2027 है।**

ii) **दिसंबर 2027 में सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2027 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बी.ई.सी.सी.–132 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-132
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2026-27
कुल अंक : 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

सत्रीय कार्य–1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2×20=40**

1) एक एकाधिकारी (Monopolist) निम्नलिखित प्रतिलोम मांग फलन का सामना करता है : P = 100 – 2Q तथा उसकी प्रति इकाई सीमांत लागत (Marginal Cost) 20 है (स्थिर लागत शून्य है)। लाभ–अधिकतम (Profit-Maximizing) मूल्य, उत्पादन तथा कुल लाभ की गणना कीजिए। साथ ही, इस एकाधिकार द्वारा उत्पन्न मृतभार हानि (Deadweight Loss) का निर्धारण कीजिए।

2) उपभोग तथा उत्पादन में पारेटो इष्टतमीकरण (Pareto Optimality) की अवधारणा की विवेचना कीजिए। स्पष्ट कीजिए कि प्रतिस्पर्धात्मक बाजार व्यवस्था किस प्रकार सामान्य आर्थिक दक्षता प्राप्त करती है तथा उन परिस्थितियों का मूल्यांकन कीजिए जिनमें बाजार विफलता उत्पन्न होती है।

सत्रीय कार्य–2

निम्नलिखित मध्यम श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का हैं। **3×10=30**

3) मान लीजिए कि एक प्रतिस्पर्धी फर्म का कुल लागत फलन निम्नलिखित है : $TC\ (q) = 390 + 25q + 8q^2$ तथा सीमांत लागन फलन है : $MC\ (q) = 35 + 9q$ यदि बाजार मूल्य $P =$ ₹ 235 प्रति इकाई है, तो फर्म द्वारा उत्पादित उत्पादन स्तर ज्ञात कीजिए। साथ ही साथ (Profit) के स्तर की भी गणना कीजिए।

4) एक सार्वजनिक एकाधिकार फर्म, निजी एकाधिकार फर्म से किस प्रकार भिन्न होती है? सार्वजनिक एकाधिकार फर्म अपने मूल्य एवं उत्पादन संबंधी निर्णय किस प्रकार लेती है?

5) उत्पाद बाजार में अपूर्ण प्रतिस्पर्धा (Imperfect Competition) की स्थिति में उत्पादन के साधन (Factor of Production) की मांग किस प्रकार व्युत्पन्न की जाती है?

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। **5×6=30**

6) मूल्य विभेद को परिभाषित कीजिए। एक एकाधिकारी विभिन्न बाजारों में तृतीय श्रेणी मूल्य विभेद को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए किन आवश्यक शर्तों की पूर्ति करता है?

7) उन विकृतियों की पहचान कीजिए जो पूर्ण प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में दक्षता प्राप्त करने में विफलता का कारण बनती हैं।

8) निम्नलिखित में से किसी दो के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए :

   (क) कोज़ प्रमेय

   (ख) प्रतिकूल चयन तथा नैतिक जोखिम

   (ग) सामान्य लाभ तथा असामान्य लाभ

9) सार्वजनिक वस्तु की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए तथा इससे संबंधित ''मुफ्त लाभार्थी समस्या'' पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

10) जोसेफ शुम्पीटर के लाभ सिद्धांत की विवेचना कीजिए।